Roll No. : .....

Total No. of Questions : **11**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APF–2149

M.A. (Final) Examination, 2022

JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN AND YOGA

Paper - V

(Jain Epistemology, Anekant and Syadvada)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 7 × 5 = 35)**

Note :– Answer all *five* questions. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **7** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 7 × 5 = 35)**

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

Section–C **(Marks : 15 × 3 = 45)**

Note :– Answer any *three* questions out of five (Answer limit **500** words). Each question carries **15** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 15 × 3 = 45)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) What is Jnana ?

   ज्ञान किसे कहते हैं ?

   (ii) What is Gyeya ?

   ज्ञेय क्या है ?

   (iii) What is called Vainayiki Buddhi ?

   वैनयिकी बुद्धि किसे कहते हैं ?

   (iv) What is Karmaja Buddhi ?

   कर्मजा बुद्धि क्या है ?

   (v) What is called Rijumati Manahparyava Jnana ?

   ऋजुमति मन:पर्यव ज्ञान किसे कहते हैं ?

   (vi) What is called Vipulmati Manahparyava Jnana ?

   विपुलमति मन:पर्यव ज्ञान किसे कहते हैं ?

   (vii) What is Anekant ?

   अनेकान्त क्या है ?

   (viii) What is called Nikshepa ?

   निक्षेप किसे कहते हैं ?

   (ix) What is called Syadvada ?

   स्याद्वाद किसे कहते हैं ?

   (x) What is Vachan Samarthya ?

   वचन सामर्थ्य क्या है ?

Section–B

(खण्ड–ब)

2. Give the origin of Jain Epistemology.

जैन ज्ञानमीमांसा का उद्‌भव बताइए।

Or

(अथवा)

Explain the nature of the Cogni.

ज्ञेय के स्वरूप को समझाइए।

3. Throw light on the form of 'Mati Jnana'.

'मति ज्ञान' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Or

(अथवा)

Explain the form of Indriya.

इन्द्रिय के स्वरूप को समझाइए।

4. Throw light on the form of 'Avadhijnana'.

'अवधिज्ञान' के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

Or

(अथवा)

Explain the concept of 'Manahparyav Jnana.

मन:पर्यव ज्ञान की व्याख्या कीजिए।

5. Explain the types of 'Anekant'.

'अनेकान्त' के भेद को समझाइए।

Or

(अथवा)

Explain the forms of Shabdnaya and Arthnaya.

शब्दनय एवं अर्थनय के स्वरूप को समझाइए।

6. Explain the types of 'Syadvada'.

'स्याद्वाद' के भेद को समझाइए।

Or

(अथवा)

Throw light on the structure of Syadvada.

स्याद्वाद की संख्या पर प्रकाश डालिए।

Section–C

(खण्ड–स)

7. Throw light on the nature and types of Philosophy.

दर्शन के स्वरूप एवं उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

8. Write a note on 'Shrut Jnana'.

'श्रुत ज्ञान' पर एक लेख लिखिए।

9. Write a note on 'Keval Jnana'.

'केवल ज्ञान' पर एक लेख लिखिए।

10. Throw light on Jain Thinkers of Anekant Philosophy.

अनेकान्त दर्शन के जैन विचारकों पर प्रकाश डालिए।

11. Explain 'Syadvada'.

'स्याद्वाद' की व्याख्या कीजिए।